Haryana Vidhan Sabha

Debates

26th February, 1970

Vol. I – No. 10

OFFICIAL REPORT

Contents

Thursday, the 26th February, 1970

	Page
Supplementaries to Starred Question No. 599	(10)1
Starred Questions and Answers	(10)7
Written Answers to Starred Question laid on the Table under Rule 45	(10)27

Question of Privilege:-	
(i) Regarding the alleged posting of C.I.D. people by the Government everywhere etc the New M.L.As Hostel, Vidhan Bhavan, etc..	(10)28
(ii) Regarding the alleged arrest of two persons whom the House had pardoned for throwing leaflets in the Vidhan Sabha from the Visitor's Gallery on 25th February, 1970	(10)29
(iii) Regarding the alleged arrest of a C.I.D. person caught red handed in attempting to steal certain confidential and important papers from the room of Ch. Jai Singh Rathi, M.L.A.	(10)38
Call Attention Notices	(10)39
Personal Explanation by:-	
Irrigation and Power Minister	(10)40
General discussion on the Budget (Resumption)	(10)41
Extension of time of the Sitting	(10)60
General discussion on the Budget (Resumption)	(10)61
Extension of time of the Sitting	(10)78
General discussion on the Budget (Concld)	(10)79

HARYANA VIDHAN SABHA

Thursday, the 26th February, 1970

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Sector-1, Chandigarh at 2.00 P.M. of the Clock. Mr. Speaker (Brig. Ran Singh) in the Chair.

SUPPLEMENTARIES TO STARRED QUESTION NO. 599

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इस सवाल के द्वारा पूछा गया था कि क्या सेना से अनियुक्त होकर आने वाले अधिकारियों को सिविल सर्विसिज में लेने की व्यवस्था है। इन्होने जवाब दिया था। कि सिविल सर्विस मे केाई भी रिजर्वशन नही की हुई है। तो आप के द्वारा मैं इनसे पुछना चाहता हूं। कि आर्मी में आने वाले इन अफसरेां को सिविल सर्विस में क्यो नहीं लिया जाता?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर साहब, यह बात पहले कभी पैदा नहीं हुई हैं। सिर्फ अभी गवर्नमैट के नोटिस में आई हैं ओर इसे हम कसिडर कर रहे है।

श्रीमंगल सैनः स्पीकर साहब, बडी खुशी की बात हैं कि 22 साल तक चलने वाले कांग्रेस शासन मे इनके नोटिस मे जोा बात पहलें नहीं आई वह आ गई है। लेकिन क्या मुख्य मंत्री महोदय सदन को आश्वासन देगें कि विचार करने के बाद वे इस निर्णय पर पहुचेगें कि उन के लिये स्थान आरक्षित हो जायेगे?

श्री बंसी लाल: निर्णय की बात तो स्पीकर साहब, मैंनही कर सकता मगर इस बात पर विचार हो रहा हैं।

राव वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, क्या मै मुख्य मंत्री जी से जान सकता हूं कि अवकाश प्राप्त फोजियों के लिये नौकरी की जगहों की रिजर्वेशन के बारे में गवर्नमैट के पास पहले का कोई डिसिजन नहीं हैं?

श्रीबंसी लाल: वह तो कल मेन क्वैश्चन के जवाब में मै बता चुका हूं कि मैडिकल ओर इंजीनियरिंग में 50 परसेन्ट रिनर्वेशन हैं ओर बाकी जगहों के लिये 30 परसेन्टर हैं

मेजर अमीर सिंह चौधरी: स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब मैं बताया कि 245 रू0 सी0 ओ0रजिस्टर हुए है। 92 एबजार्ब हो गयें हैं। और 143 अभी बाकी रहते हैं मगर क्या मैं इनसे जान सकता हूं कि जे.सी.ओज.ओर अन्दर रैन्कस के मुताबिक इन की क्या योजना हैं?

श्री बंसी लाल: स्पीकर साहब? मेरे पास फिगर्ज यही है। कि रिजर्वशन जो हैं द.सी.ओ. के लिये है। बाकी दूसरो के बाारे में अगर मे पूछना चाहते है। तो मै इन को इतलाह दे दूंगा।

मेजर अमीर सिंह चोधरी: स्पीकर साहब, मैने परसोनल के बारे में पूछा था ओर परसोनल में सब आ जाते है।

श्री बंसीलाल: इस स्कीम कं तहत स्पीकर साहब उन्हीं को रजिस्टर करते है। जिनके नाम हमें गवर्नमैट आफ इंडिया से आते है। हम अपनी तरफ से कोई अलहदा सैनसस नहीं रखते । वहां से जो नाम आए है। उन में सिर्फ यही कैटगरी कवर होती हैं ओर इन्ही की लिस्ट हमारे पास है।

मेजर अमीर सिंह चौधरी: स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने यह तो बता दिया कि अफसरेां की लिस्ट उन के पास आ जाती है। लेकिन में उनसे पूछना चाहता हूं कि हरियाणा के जवानों की रीसेटलमैट के बारे में जिन्होनें सरकार की बडी भारी खिदमत की है कोन जिम्मेवार हैं?

श्रीबंसी लाल: स्पीकर साहब, जो जवान वहां से आते है। उन के लिये भी हम जिम्मवार है। ओर हम ने उन को महकमों में बहुत सी रिसायते दी है। जिनके पर्टिकुलर्ज इस वक्त मेरे पास नहीं है। लेकिन इस स्कीम के तहत हम उन्हीं नामों की लिस्ट रख सकते है। जिनके नाम गवर्नमैट आफ इंडिया से आते है।

Major Amir Singh Ch: Sir, I may read out the question itself for your information. It reads-

(a) rank and tradewise number ofthe released personnel of the Armed Force of Haryana State domicile who have since been registered with the Rehabiliation Cell of the Home Military Branch.

Mr. Speaker: I just want to seek one clarification . There is one letter from the Government of India which has

given directions to reserve certain vacancies or posts in the State Government and that is for the E.C.Os. for which you have got the replies. Now I do not know and in fact I would like to know myself whether there are any directions about other Military Personnel like J.C.Os. and other ranks who keep on retiring at quite an early date from time to time.

मेजर अमीर सिंह चोधरी: मै जिस वक्त गवर्नमैट के अन्दर था उस वक्त गवर्नमैट आफ इंडिया की तरफ से एक लैटर आया था कि स्टेट गवर्नमैट सारे एक्स–सर्विसमैन को रीहैब्लिटेट करने के लिए एक सैल कायम करेगी। इसलिए, स्पीकर साहब, मैंने पिछले सैशन में एक सवाल पूछा था कि क्या वह सैल बना लिया है तो चीफ मिनिस्टर साहब ने जवाब दिया था कि हम बना लेंगे और एक्स–सर्विसमैन को उसमें रजिस्टर करना शुरू कर देंगे। इन्होंने एक अश्योरैंस एक्सटैन्ड कर दी थी। तो इसी सम्बन्ध में मैंने पूछा है कि आया वह सैल कायम हो गया और सब रैन्कस को उस में रजिस्टर किया गया या नहीं ?

श्री बंसी लाल: स्पीकर साहब, दूसरे रैन्कस के पर सोनल जैसे मैंने पहले कहा इस स्कीम के तहत नहीं आते और जहां तक इस कैटेगरी के अफसरों के लिए स्पैशल सैल बनाने की बात है, इसके लए राव बीरेन्द्र सिंह जी के टाईम में केस चला था। 27–7–67 को राव साहब ने चाहा था कि यह सैल बने मगर जब नीचे से सैक्रिटेरियेट ने नोट पुट अप किया तो राव साहब ने खुद ही हुक्म लिखा – "May continue as at present." पुराना

सिस्टम जारी रखा जाए क्योंकि वह सिस्टम एफिशिएन्ट है, उस सिस्टम में कोई कमी नहीं है।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः इस सिस्टम को 'मे कंटिन्यू' कहने का मतलब, स्पीकर साहब, यह नहीं था। बात यह थी कि गवर्नमैंट आफ इंडिया ने यह लिखा था कि एक अलहदा सैल कायम करना चाहिए। इसके ऊपर फैसला यह किया गयाः— That this function should be carried out by the Home Military Branch of the Home Department and that is why the Chief Minister at that time gave the remark that is should continue.

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, इस चीज के ऊपर गवर्नमैंट ने विचार किया है कि जितनी किस्म के फौजी फौज से आए हैं उनकी सैन्सस की जाए मगर किस ढंग से की जाये और किस एजेंसी के थ्रू की जाए, यह बात अभी अन्डर कंसिड्रेशन है।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने अभी बताया कि होम मिनिस्ट्री से जो लिस्ट आती है उसको ये कंसिडर करते हैं मगर मैं इनसे जानना चाहता हूं कि किस चीज के लिए ये उसे कंसिडर करते हैं ?

श्री अध्यक्षः एम्पलायमैन्ट के लिए।

राव बीरेन्द्र सिंहः आप उन्हें कहने दीजिएगा।

श्री बंसी लालः जी हां, एम्पलायमैन्ट के लिए ही कंसिडर करते हैं।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं यह जानना चाहता हूं कि किस तरह कंसिडर करते हैं जब कि गजटिड औफिसर्ज की रिकरूटमैन्ट पब्लिक सर्विस कमीशन करता है ?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, हर सर्विसिज में रिजर्वेशन करते हैं। फिर जो नाम हमारे पास आते हैं उनकी सैन्सस रखते हैं कि कौन सा आदमी लग गया और कौन सा रह गया। हमने गवर्नमैंट आफ इंडिया को भी लिखा है कि स्टेट की पापुलेशन को ध्यान में रखते हुए हमारे आदमी फौज में ज्यादा हैं इसलिए उनको गवर्नमैंट आफ इंडिया या दूसरे इंडिपैन्डेंट कारपोरेशन्ज में एबजार्ब किया जाए।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या चीफ मिनिस्टर साहब की नालेज में है कि अभी जो एक बार री–कंस्ट्रस्शन सैल बनाया गया उसमें किसी ऐक्स सोलजर को उसका इन्चार्ज न लगा करके एक रिटायर्ड असिस्टैन्ट सैक्रेटरी को लगाया गया है ?

श्री बंसी लालः असिस्टैन्ट सैक्रेटरी तो हमने रिटायर्ड नहीं लगाया और जहां तक इस महकमे का ताल्लुक है यह डायरैक्ट चीफ सैक्रेटरी के अंडर है और इसमें असिस्टैन्ट सैक्रेटरी भी है और डिप्टी सैक्रेटरी भी है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इन्होंने असिस्टैन्ट सैक्रेटरी को लगायसा है। इन्हें अपने चीफ सैक्रेटरी से पता करके बताना चाहिए कि आया लगाया है या नही लगाया है ?

श्री बंसी लालः आनरेबल मैम्बर अलहदा नोटिस दें। अगर कोई लगा होगा तो बता देंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहबर, अगर यह बात ठीक हो तो क्या चीफ मिनिस्टर साहब आश्वासन देंगे कि उनको हटा कर किसी एक्स सोलजर को लगाया जाएगा ?

Sh. Bansi Lal: This question does not arise out of this main question.

Smt. Chandravati: Certainly, it does arise, Sir.

राव बीरेन्द्र सिंहः क्या मुख्य मंत्री महोदय यह बताने का कष्ट करेंगे कि कुछ केसिज में पब्लिक सर्विस कमिशन ने लिखा है कि यह जगह एक्स सर्विस मैन के लिये रिजर्व है परन्तु गवर्नमैन्अ ने कहा है कि इस जगह पर इस व्यक्ति को ल लो और एक्स सर्विस मैन को दूसरी जगह लगा दिया जायेगा ?

श्री बंसी लालः इसके लिए अलग से नोटिस दे दें। अगर किसी पर्टीकुलर पोस्ट के लिए ऐसा हुआ होगा तो बता दिया जायेगा।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मुख्य मंत्री साहब ने फरमाया है कि 92 आदमियों को तो लगा दिया गया है और 143 आदमियों को वेटिंग लिस्ट में रखा गया है। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इनको कब तक लगा दिया जायेगा ?

श्री बंसी लालः निश्चित टाईम तो मैं नहीं बता सकता। हां जल्दी से जल्दी लगाने की कोशिश की जायेगी।

महन्त गंगा सागरः स्पीकर साहब, क्या मुख्य मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिस स्कीम के तहत एक्स सोलजर आते हैं उस पर पूरी तरह से अमल नहीं हो पाता है। कई जगहों पर उनकी क्वालफिकेशन पूरी न होने के कारण नौकरी में नहीं लगाये जाते हैं। तो क्या उनकी क्वालीफिकेशन में कुछ लीनिएंसी बरती जायेगी ?

श्री बंसी लालः कुछ केसिज में तो फौजियों को लीनिएंसी दी जाती है। लेकिन कुछ पोस्टें ऐसी होती है जिन में क्वालिफिकेशन बहुत जरूरी होती है इसलिए रियायत नहीं दी जाती।

महन्त गंगा सागरः जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने अभी फरमाया है कि कुछ केसिज में ख्याल रखा जाता है। स्पीकर साहब जो कैंडीडेट या अफसर मिलिटरी में रह चुके हों उनकी तालीम और काबलियत उन सिविल के लोगों से कम नहीं रह जाती है जैसे कि किसी पोस्ट के लिए बी0ए0 क्वालीफिकेशन रखी हुई है या एम0ए0 रखी हुई है अगर उस पोस्ट के लिए कोई बी0ए0 मिलटरी का हो तो उसमें कोई खास अन्तर नहीं रह जाता है क्योंकि उस का कई सालों का मिलिटरी का तजुर्बा होता है।

तो क्या मुख्य मंत्री ऐसे केसिज में क्वालीफिकेशन में लीनिएंसी देने की कृपा करेंगे ?

श्री बंसी लाल: इंडिविजुअल केसिज में तो लीनिएंसी कन्सीडर की जा सकती है लेकिन जो टैक्नीकल क्वालीफिकेशन होगी उसमें नहीं।

मेजर अमीर सिंह चौधरी: जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने अीाी फरमाया है कि एक्स–सर्विस मैन के लिए एक स्पैशल फंड कायम किया गया है और उस के थ्रू उनको रिहैबलीटेट किया जायेगा। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि उस की क्या क्या स्कीमें हैं ?

श्री बंसी लाल: उसकी 33 स्कीमें हैं जिसकी एक किताव छपी हुई है। अगर आनरेबल मैम्बर चाहते हैं तो वह किताव दे दी जायेगी।

Mr. Speaker: We come to the next question. Major Amir Singh.

Rao Birender Singh: Before we start with the next question you may kindly ask the Hon. Chief Minister to reply to my supplementary which was held over yesterday.

Mr. Speaker: About what?

Rao Birender Singh: It was about firing.

Sh. Bansi Lal: The question was already over.

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, एक सप्लीमेंटरी था उसके लिए इन्होंने कल के लिए कह दिया था।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, आपकी ओर से भी कोई ऐसा हुक्म नहीं दिया गया था कि इस सवाल का कल जवाब देना है।

राव बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैंने एक सवाल किया था वह आपके भी याद होगा।

श्री बंसी लालः जो क्वैश्चन यह पूछना चाहते हैं उसके लिए पहले ही 10 मिनट दिये थे परन्तु उस पर 25 मिनट तक सप्लीमैंटरीज होते रहे।

Mr. Speaker: That is true that yesterday instead of 10 minutes we spent about 25 minutes on that question. But all the same I do remember that there was a longish question by Rao Sahib. But, unfortunately, in the meantime, the time was over.

Raon Birender Singh: You were pleased to call for the next question and you observed that the reply to this particular question would be given tomorrow. You called for the next question so that you could completed the list of questions.

Mr. Speaker: Could you give me your question and I will get you the answer.

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, जहां तक मुझे जान पड़ता है, इन्होंने मुझसे सवाल पूछा था और उस सवाल का जवाब दिया जा चुका है। अब तो कोई और नयी बात लगा कर ही पूछना चाहते हैं।

Mr. Speaker: I do not really remember. But I remember that there was a longish question by Rao Sahib. We shall sort it out reasonably.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

Manufacture of Cement Poles

***581. Major Amir Singh Chaudhry:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state:-

(a) whether the Haryana State Electricity Board is manufacturing the Cement poles, if so, the names of the places where such poles are being manufactured together with the number of poles manufactured up to 31st December, 1969; and

(b) whether Charkhi Ddri, where raw material for manufacturing the said poles is available in abundance, has been included in the list of places selected for setting up of the centres for the manufacture of cement poles if not, the reasons therefor?

Irrigation and Power Minister (Sh. K.L. Poswal): (a) Yes. The names of places where Cement poles are being manufactured alongwith number of poles manufactured up to 31st December, 1969 are given below:-

Sr.	Name of Centre	Number of Poles manufactured
1	Yamuna Nagar	1600
2	Shahabad	1280
3	Pipli	1217
4	Panipat	1800
5	Gurgaon	2485

(b) Yes.

मेजर अमीर सिंह चौधरीः जैसा कि मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा कि 'यस' दादरी के अन्दर काम शुरू होगा। तो मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि कितने टाईम में दादरी में यह काम शुरू करवा देंगे ?

श्री के0एल0 पोसवालः ज्यों ही पानी का बन्दोबस्त हो जायेगा तो काम शुरू करा दिया जायेगा। वहां पर पानी की दिक्कत हैं। आशा है कि जल्दी ही शुरू कर दैंगे।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः मैं मिनिस्टर साहब की इन्फर्मेशन के लिए बतलाना चाहता हूं कि वहां पर पानी के लिए कैनाल है इसलिए पानी की कोई भी कमी नहीं है।

श्री के0एल0 पोसवालः हम बहुत जल्दी ही वहां काम शुरू करा रहे हैं। मैं आपको यह एश्योरेंसे दे रहा हूं।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः जैसा कि आपने 5–6 जगहों के नाम लिये हैं, वे कौन कौन सी जगहें हैं जहां पर ये सैन्टर खोलने का विचार है ?

श्री के0एल0 पोसवालः हिसार, कैथल, जगाधरी, जीन्द, सोनीपत, रोहतक, महेन्द्रगढ़ और करनाल वगैरह में नये सैन्टर खोलने का विचार हैं।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः क्या आपकी निगाह में है कि स्टोन मैटल अपनी स्टेट से ही प्राप्त किया जाये ताकि हम दूसरी जगहों से सेल्ज टैकस औद दूसरे खर्च से बच सकें ?

श्री के0एल0 पोसवालः आपने अच्छी सजैशन दी है ख्याल में रखी जायेगी।

श्री मंगल सैनः मंत्री महोदय ने कहा कि पानी की किल्लत की वजह से दादरी में सीमेंट के पोल तैयार नहीं करा सके। क्या पानी के इलावा कोई और भी उनको दिक्कत थी ?

श्री के0एल0 पोसवालः और कोई दिक्कत नहीं थी।

श्री मंगल सैनः मंत्री महोदय ने बताया है कि यमुनानगर में 1600 पोल बने, शाहबाद में 1280, पीपली में 1217, पानीपत में 1800 और गुड़गांव में 2485, तो मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि गुड़गांव में इनते ज्यादा क्यों बने ?

श्री के0एल0 पोसवालः कोई खास कारण नहीं है। ये कुछ दिन पहले बनने शुरू हो गये होंगे और दूसरी जगहों पर बाद में बनने शुरू हुए होंगे इसलिए ज्यादा बने।

Promotion of Hindi Language

***718. Sh. Randhir Singh:** Will the Minister for Finance be pleased to state whether the languages Department is helpful to promote Hindi in the State; if so, the manner in which this department is helpful?

Finance Minister (Smt. Om Prabha Jain): The Languages Department has been taking necessary steps such as imparting of knowledge of Hindi to employees of the State Government, imparting training in Hindi Stenography and typewriting to the English Stenographers and Steno-typists, translating Codes, Manuals, Forms etc. and making available guide books for the use of Government employees to facilitate switch over from English to Hindi under the Haryana Official Languages Act, 1969. The Department has also undertaken various schemes for the development of Hindi Language and literature in the State such as awarding of prizes to the best works, holding of writers seminars, organising literary contest, publishing, literary magazines, honouring of a reputed Hindi writer every year, holding Kavi Sammelans, etc. and compiling of folk songs, folk lores, and folk dramas, etc.

श्री रणधीर सिंहः क्या मंत्री महोदया से जान सकता हूं कि लैंग्वेजिज डिपार्टमैंट पर 60 परसैन्ट की क्यों कटौती लगाई जा रही है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः अध्यक्ष महोदय जैसा कि आप जानते है कि हिन्दी, हिन्दी टाईप और स्टेनोग्राफी सिखाने के लिए कुछ इन्स्ट्रक्टर थे और कुछ और भी स्टाफ था लेकिन अब वह काम बन्द कर दिया गया क्योंकि हर डिपार्टमैंट में हिन्दी लागू हो गयी है। इसलिए कुछ कट लगा दी गई है ताकि काम ठीक से चल सके।

श्री रणधीर सिंहः क्या मंत्री महोदया यह बताने का कष्ट करेंगी कि सभी डिपार्टमैंटस में हिन्दी भाष में काम शुरू कर दिया गया है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः जी हां। मैं समझती हूं कि अगर सब में शुरू नहीं हुआ होगा तो कम से कम अधिकतर डिपार्टमैंट्स में शुरू कर दिया गया है।

श्री रणधीर सिंहः क्या हमारे शिक्षा सचिव भी अपना काम हिन्दी में ही करते हैं ?

(कोई उत्तर नहीं दिया गया)

श्री मंगल सैनः क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी जैसा कि आपने बताया कि स्टाफ में कुछ कट लगाया गया है ताकि हिन्दी का विकास और उसकी समृद्धि हो सके, तो अध्यक्ष महोदय मैं जानना चाहता हूं कि कितना प्रतिशत कट लगाया गया है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः 89 आउट आफ 159। 43 पोस्ट्स पहले ही खाली थी, 46 पोस्ट्स और सरन्डर की।

चौधरी जय सिंह राठीः क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि जहां दफ्तरों में हिन्दी में काम शुरू हो गया है क्या वहां आदमियों की कम जरूरत पड़ती है और जहां अंग्रेजी में होता है क्या वहां ज्यादा आदमियों की जरूरत पड़ती है ? इन्होंने पहले ही कहा है कि हिन्दी में चूंकि काम शुरू हो गया है इसलिए वहां कट लगाया गया है।

श्रीमती ओम प्रभा जैनः जैसा कि मैंने बतलाया कि लैंग्वेज डिपार्टमैंट का काम हिन्दी स्टैनोग्राफी, हिन्दी टाइपिंग सिखाने तथा हिन्दी पढ़ाने का है। अब तो हिन्दी में काम शुरू हुए साल सवा साल हो गया है अब तो सिर्फ प्रैक्टिस की बात है। इस तरह लैंग्वेज डिपार्टमैंट इन्ट्रोडक्टरी डिपार्टमैंट था इसलिए उसमें कट लगाया गया।

चौधरी चांद रामः यह जो आपने कट लगाया है फिर क्या कोई ऐसा इंतजाम है जिससे यह पता लग सके कि फलां फलां डिपार्टमैंट में हिन्दी की प्रगति किस हिसाब से हुई है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः कहां क्या प्रगति हुई है वह लैंग्वेजिज डिपार्टमैंट का काम नहीं है। उन का काम सिखाना है। अगर अब भी कोई डिमान्ड आएगी तो वह हम अब भी पूरी करेंगे।

कहां क्या प्रगति हुई है इसका जवाब यह है कि लोग हिन्दी में बहुत काम कर रहे हैं।

चौधरी चांद रामः क्या यह हकीकत है कि गवर्नमैंट के सचिव अभी तक भी हिन्दी में काम नहीं करते बल्कि अंग्रेजी में काम करते हैं ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः मुझे इस बात का मान है कि हिन्दी में बहुत अच्छी तरह काम हो रहा है। ज्यादातर सचिव हिन्दी में ही काम कर रहे हैं। एक दो एक्सैपशन हो सकते हैं। (श्री मंगल सैन खड़े हुए)

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब आपको औरों की निस्बत ज्यादा अपरच्यूनिटीज मिलती हैं।

श्री मंगल सैनः आपका शुक्रिया। मैं वित्त मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि हिन्दी का विकास हो रहा है। हिन्दी समृद्ध हो गई है। ओर चल पडी है इसीलिये हमने कट लगा दिया इस लिये मैं यह पूछना चाहता हूं कि बहन जी आपने कहा कि फोक लोर उपभाषाएं एनसाइक्लोपीडिया ओर कई काम तैयार करने का काम कर रहें है। क्या यह सच नहीं है। कि यह काम अधूरा पडा है। किन्तु कर्मचारियों को कट लगा कर जितना आप कह रही है। उससे जयादा आदमियों को निकाला जा सकता है?।

श्रीमती ओम प्रभा जैन: कट लगाने का और कोई कारण तो है नहीं है। ओर न ही किसी की रिक्मेडशन पर यह काम किया हैं। मैं खुद वहां गई आरे मैनें वहां जाकर यह महसूस किया कि इस में कट लग सकता है। वैसे जब तक हम उन को आल्टरनेटिव जाब नही देते तब तक किसी को नहीं निकाला जायेगा।

चोधरी रणबीर सिंह: हरियाणा प्रदेश की सरकार के पास अग्रेंजी के टाइपराइटर कितने थे। ओर अब हिन्दी का काम चलाने के लिये कितने टाइपराइटर रखे गये है?

श्रीमती ओम प्रभा जैन: यह क्वैश्न इस सवाल से अराइज नहीं होता।

श्री अध्यक्ष: सवाल तो अच्छा है लेकिन मैं समझता हूं कि इनके पास यह इन्फारमेशन नहीं होगी।

श्रीमती ओम प्रभा जैन: यह सवाल मेरे डिपार्टमैट से कन्सर्ड नहीं है।

चौधरी रणबीर सिंह: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेगें कि हरियाणा सरकार के जो मुलाजिम भाखडा मैनजमैट बोर्ड ब्यास कन्ट्रोल बोर्ड में डैपूटेशन पर है उन को हिन्दी के माध्यम से पढाने के लिये क्या इंतजाम किया हैं जैसा कि पंजाब सरकार ने सुन्दरनगर मैं अपने मुलाजिमों को पंजाबी पढ़ाने का इंतजाम किया है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैन: मैं इस पर विचार करूंगी।

चौधरी नारायण सिंह: क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगी कि बजट में लैंग्वेजिज डिपार्टमैंट के लिए जो पैसा रखा गया था उस पर कट लगा दी गई है ? जितने डिस्ट्रिक्ट लैंग्वेजिज आफीसर्ज थे वे हटा दिये गये हैं तो उस पैसे को खर्च करने का क्या प्रोग्राम है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैन: अगर बजट में कोई पैसा रखा गया है और वह खर्च नहीं होता तो वह लैप्स हो जाता है।

चौधरी लाल सिंह: जो सरकारी कर्मचारी हिन्दी नहीं जानते क्या सरकार ने उनको हिन्दी सिखाने के लिए केन्द्र खोल रखे हैं ?

श्रीमती ओम प्रभा जैन: खोल रखे हैं और काफी हिन्दी सीख भी रहे हैं।

चौधरी रणबीर सिंह: क्या वित्त मंत्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि कितना रूपया हिन्दी टाइपराइटर्ज को खरीदने के लिए रखा गया है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैन: इस सवाल का मेरे से कोई सम्बन्ध नहीं है।

चौधरी रणबीर सिंहः बजट को रखना और सैंक्शन करना वित्त मंत्रालय का काम है अगर यह वित्त मंत्रालय का काम नहीं है तो किस का काम है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः मुझसे बड़े–बड़े कामों के बारे में पूछें तो मैं बता दूंगी लेकिन टाइपराटर कितने खरीदे गये यह मुश्किल है।

श्री मंगल सैनः क्या वित्त मंत्री यह बातने की कृपा करेंगी कि जिन एम्पलाईज को कट के नाम पर सरकार बेकार कर रही है उनमें 4 एम0ए0, 6 पी0एच0डी0 है और उनकी 16–16 साल की सर्विस है ? क्या उन्होंने इस कट के विरोध में एक शिष्ट मंडल के रूप में उपस्थित होकर कोई प्रार्थना या अनुनय विनय की थी ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः जिस समय यह फैसला चल रहा था तो वे मिलने आए थे। उन्होंने हमारे दफतर में आकर बात की थी। कट होने के बाद उनकी तरफ से कोई रिप्रेजेन्टेशन नहीं मिला।

श्री मंगल सैनः क्या वित्त मंत्री यह स्वीकार करेगी कि जो कट लगाई गई है वह साधारण नहीं है, वह 80 प्रतिशत है और इतना घोर अन्याय हो रहा है, मैं इस मामले में ऐशोरेंस चाहता हूं। यह जो अन्याय हो रहा उसको देखते हुए सरकार क्या करने के लिए तैयार है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः स्पीकर साहब, अन्याय तो वहां कहा जा सकता है जहां कि उनको नौकरी से निकाल दिया गया हो, मैंने पहले भी प्रार्थना की है कि हमने कुछ विधान सभा में, कुछ ला डिपार्टमैंट में और कुछ इन्डस्ट्रीयल इन्स्टीट्यूटस में कर्मचारी भेजे हैं। हम उनका खुद प्रबन्ध कर रहे हैं ताकि उनको नौकरी से अलग न किया जाये। एक तरफ तो यह इसे हैवी एडमिनिस्ट्रेशन कहते हैं। यदि हम कुछकट करते हैं तो ऐसे आब्जैक्ट करते हैं।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, हम बजा कहते हैं कि टाप हैवी ऐडमिनिस्ट्रेशन है। छोटी छोटी स्टेट्स में चार–चार आई0जी हों, यह कहां दुरूस्त है ? मैं आपकी रूलिंग चाहता हूं। आपको यह बताया गयाहै कि जहां तक मुमकिन है और यह कोशिश कर रहे हैं कि हरके को जौब मिल जाये .....

श्री अध्यक्षः जब यह कोशिश कर रहे हैं तो फिर झगड़ा क्या हैं ?

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, आप सुनेंगे तो कहेंगे कि ठीक कहते हैं। कई ऐसे लोग हैं जो चार चार एम0ए0 पास हैं, पी0एच0डी0 पास हैं, कटौती के नाम पर हटाकर दूसरी जगह कहां भेजा जायेगा ? अगर स्कूल का मास्टर बना देंगे तो उनके स्टेटस में फर्क आयेगा, उनकी पे में फर्क पड़ेगा। स्पीकर साहब, विषय

यह है कि प्रवीणता निपुणता तो उन्होंने दफतरी काम में प्राप्त की है वे बच्चे पढ़ाने में कैसे कामयाब हो सकते हैं ?

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, देखिये, यह जो एस्टैबलिशमैन्ट कायम की गयी थी यह खास मकसद को लेकर की गयी थी और वह काम काफी हद तक पूरा हो गया है ..... . (व्यवधान)

Sh. Mangal Sein: We are not strangers, Sir. We are the Hon. Members of this House.

Mr. Speaker: That is right. But, after all, she is incharge of the Ministry.

श्री मंगल सैनः जो बात हम कह रहे थे, उसका जवाब दें। जनाब मैं तो यही हम्बल सबमिशन कर रहा हूं कि वह काम अभी मुकम्मल नहीं हुआ और इन्होंने हिन्दी वालों का कत्लेआम कर दिया।

Mr. Speaker: Well, we have to follow a certain procedure in this respect. There is a very responsible Minister in charge of that Department. She has carried out certain assessment and on that basis she has said that so much work has been done and so much staff can be spared. So, we have to accept what she has stated unless there is something substantial to the contrary. इन्होंने आपको बतला दिया है कि जहां तक हो सकेगा, इन्हें बहार नहीं निकाला जायेगा, एप्वायन्टमैंट दी जायेगी।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न यह है कि बार बार क्वैश्चन आवर पर यहां कुछ बातें और सुझाव आये लेकिन क्वैश्चन आवर में सप्लीमैंट्री क्वैश्चन पूछने की बजाय, मैम्बर साहेबान स्पीच देने लगते हैं, इससे उन सदस्यों का हक मारा जाता है, जिनके क्वैश्चन आपकी लिस्ट में हैं।

श्री मंगल सैनः आप वक्त जाया कर रहे हैं खाहमखाह।

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि क्वैश्चन आवर मे केवल सदस्य को इतनी इजाजत हो कि वह सीधे सप्लीमैन्ट्री क्वैश्चन करे, न कि भाषण देना शुरू कर दे।

श्री मंगल सैनः प्रश्न करते समय कुछ बैक ग्राउंड तो देनी होती है।

श्री अध्यक्षः लेकिन बात यह है कि बैक ग्राउंड तेल मिर्च मसाला लगाकर नहीं होनी चाहिए।

श्री मंगल सैनः मैं आपके द्वारा जानना चाहूंगा कि आज आपेन हिन्दी विभाग में या इस भाष विभाग में कट लगायी है ओर इससे बचत करने का दुष्प्रयास किया है, क्या सरप्रयास एस0एस0 बोर्ड को तोड़कर, हैवी एडमिनिस्ट्रेशन की कॉट छॉट करने के लिए सरकार तैयार है ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः यह कौन सी बात हुई ?

श्री बनारसी दास गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है कि जो पूरक प्रश्न हाउस में पूछे जाते हैं वह सदप्रयास और दुष्प्रयास आदि कह कर नही पूछे जाने चाहिए।

Sh. Mangal Sein: Sir, he is doing your job. That is very bad. He should not do so.

Mr. Speaker: On the other hand, you are doing my job. So let me please do my own job. But, I think it is not a fair question. The Minister concerned with all the responsibility at her command has assured that she did not find the justification for retaining so many people on various jobs. Secondly, supplementaries are meant to elicit information and not for any suggestions, other things or comments.

श्री मंगल सैनः मेरी दूसरी सबमिशन यह थी, मैं यह जानना चाहता था कि जो सरकार ने भाषा विभाग के बारे में कदम उठाया है क्या वह रैलेवैन्ट है ?

श्री अध्यक्षः वह तो अपने ही महकमें के बारे में कह सकती है।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): दूसरे महकमे के बारे में यदि आनरेबल मैम्बर ने पूछना है, तो अलग नोटिस दें, बता देंगे।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने तो एस0एस0 बोर्ड के बारे में पूछा था कि क्या आप बोर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है ? (व्यवधान)

Mr. Speaker: No interruptions please.

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री के0एल0 पोसवाल): सर, मैं तो बैठा बैठा यही कह रहा था कि यह बेचारे ..... (व्यवधान)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैं बेचारा नहीं, मैं आनरेबल मैम्बर हूं।

श्री के0एल0 पोसवालः यह साहब बेचारे नहीं हैं, लेकिन मैं आपके जरिये दरखास्त करूंगा कि यह कनवैसिंग न किया करें, हमें डराया न करे।

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहिबा यह बतायेंगी कि यह जो कटौती की है, क्या इसका यह कारण नहीं था कि यह विभाग सबसे पूछता था कि फलां महकमें में कितनी प्रगति हुई है ? कारण पूछने की वजह से दूसरे विभागों के आफिसर उनसे नाराज थे और उनकी जांच करने के लिए तैयार हुये, क्या यही कारण था ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकती हूं कि नहीं।

चौधरी चांद रामः हमारे मंत्रियों में से कितने मंत्री ऐसे हैं जो हिन्दी में लिखना पढ़ना और काम करना जानते हैं ? (व्यवधान) ..... स्पीकर साहब, मिनिस्टरज रोज फाइल पर अंग्रेजी में आर्डर करते हैं क्योंकि उन्हें हिन्दी पढ़नी ही नहीं आती, लिखनी भी नहीं आती और ये कहते हैं कि हम हिन्दी की इन्ट्रोडक्शन करेंगे, हिन्दी का प्रसार करेंगे। तो मैं पूछना चाहता हूं कि जो अधिकारी महकमें का कार्य संचालन करता है, हुक्म, निदेश करने वाला है, क्या वह हिन्दी जानता है कि नहीं ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः सबके पास स्टैनोज हैं, पी0एज0 हैं, वे सब हिन्दी जानते हैं।

चौधरी चांद रामः अगर एक मिनिस्टर हिन्दी नहीं जानता और वह स्टैनो पर डिपैन्ड करता है तो यह अच्दी बात नहीं है। मुझे मालूम है कि यहां हमारे एक मिनिस्टर थे जो हिन्दी नहीं जानते थे। .....

श्री अध्यक्षः आप जानते हैं कि हमारे सब मिनिस्अर साहिबान हिन्दी या उर्दू जानते हैं।

चौधरी चांद रामः लेकिन हिन्दी नहीं जानते। सरदार प्यारा सिंह जी एक स्कूल में गये और कहने लगे कि हैडमास्टर साहब कहां हैं। पता लगा कि श्रेणी में गये हुये हैं। कहते हैं सस्पैन्ड करता हूं, श्रेणी में क्यों गये हैं ?

श्रीमती ओम प्रभा जैनः यह कहानी अच्छी बनती है, इसकी एक कापी दी जाये। (व्यवधान)

Grant of Central Government Grades to Municipal Employess

***729. Dr. Malik Chand Gambhir:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) whether there are any Municipal Committees in the State which are allowing Cnetral Government grades to their employees; and

(b) if so, the names of such Municipal Committees?

Minister for Health and Development (Ch. Khurshed Ahmed):

(a) No.

(b) Question does not arise.

डाक्टर मलिक चन्द गम्भीरः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि नगरपालिका के कर्मचारियों को कौन से ग्रेड दिये जाते हैं ?

चौधरी खुरशीद अहमदः फिलहाल सारी कमेटियों के अलग अलग ग्रेड हैं और हम यह कोशिश कर रहे हैं कि सारी सर्विसिज को प्रोवींशियलाइज करके एक ही ग्रेड कर दिया जाये।

डाक्टर मलिक चन्द गम्भीरः यह कब तक करने का प्रोग्राम है ?

चौधरी खुरशीद अहमदः हम यह चाहते हैं कि जल्दी से जल्दी कर दिये जायें।

Starred Question No. 731

Mr. Speaker: We come to the next question. Question No. 731 has been postponed.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरा यह इम्पार्टेंट क्वैश्चन है, एक आध दिन में अगर मंत्री महोदय, मुझे जवाब दे दें तो मुझे कोई आपति नहीं।

श्री अध्यक्षः मुझे बतलाया गया है कि इस क्वैश्चन का जवाब 6 तारीख से पहले नहीं आ सकता है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, तो फिर हाउस भी 6 तारीख तक बढ़ा दीजिएगा ? स्पीकर साहब, एक मेरी सबमिशन है कि अगर हम इन टाइम क्वैश्चन भेजें जो कि बिल्कुल वैलिड हो और एडमिट भी हो जाए लेकिन गवर्नमैंट जवाब की ऐसी डेट मुकर्रर करे जिस दिन यहां सैशन ही नहीं होना हो, तो स्पीकर साहब, क्या मैं इसका यह मतलब निकालू कि सरकार मेरे सवाल का जवाब नहीं देना चाहती ?

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मैं बताऊं, मेरे पास ऐसी 15–20 रिक्वैस्ट आई हैं, और जहां तक मुमकिन होगा 3 तारीख तक ही सब सवालों के जवाब मिल जाएंगे एक दो सवालों को छोड़कर।

एक तो यही सवाल है ओर एक दूसरा है जिनके जवाब मुमकिन नहीं कि 3 तारीख से पहले आ सकें।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, अब मैं क्वैश्चन पर आता हूं। Mr. Speaker, Sir, question I had asked reads:-

"(a) the names, parentage and addresses of the pleaders, if any, appointed as Public Prosecutors for the courts in the State the year 1968, 1969 and 1970."

स्पीकर साहब, क्या उन वकीलों के पते नहीं मालूम हो सिकते, जबकि मेरा यह क्वैश्चन आज से 15 दिन पहले एडमिट करके गवर्नमैंट के पास भेज दिया गया था और आप यह कह रहे हैं कि जवाब 6 तारीख तक देंगे ?

श्री अध्यक्षः मैं कोशिश करूंगा कि तीन तारीख तक जवाब मिल जायें।

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर साहब, 3 तारीख को दे देंगे।

श्री मंगल सैनः बहुत अच्छी बात है, वैरी गुड।

Setting up of Housing Board

***582. Major Amri Singh Chaudhry:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) whether Government is aware that the issue of setting up of Housing Board in various States was discussed

at the last conference of the Houseing Ministers, held at Bangalore; if so, the details of the proposed scheme connected therwith;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up any Housing Board in Haryana if so, full details of the proposed Scheme; and

(c) if not, the reasons therefor?

Health and Development Minister (Ch. Khurshed Ahmed):

(a) Yes. Government is aware. The Conference has not proposed any scheme to the State Government.

(b) Yes, the proposed scheme is being finalised.

(c) Question does not arise.

Major Amir Singh Chaudhry: May I know what the scope of this Board will be?

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, अभी स्कीम फाइनेलाइजेशन की स्टेज पर है और अभी पूरी तरह से फाइनैलाईज नहीं हो पाई है, इसलिए फाईनल होने से पहले स्कोप की ऐग्जेक्ट टर्म को डिफाइन नहीं किया जा सकता।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बता सकेंगे कि उसके काम का जनरल आईडिया क्या होगा ?

चौधरी खुरशीद अहमदः जनरल आईडिया यह है कि जैसे हाउसिंग मिनिस्ट्री सैन्ट्रल गवर्नमैंट की है और उन्होंने हाउसिंग बोर्ड के प्रोग्रामज् को ऐड दी है और वह सारा प्रोग्राम हमारी तरफ से या स्टेट गवर्नमैंट की तरफ से हाउसिंग डिपार्टमैंट अन्डरटेक कर सकता है।

मेजर अमीर सिंह चौधरीः क्या उसकी आप थोड़ी डिटेल बता सकेंगे ?

चौधरी खुरशीद अहमदः स्पीकर साहब, उसके लिए कुछ और टाईम चाहिए, ताकि वह सारी स्कीमें इनको डिटेलज में बताई जा सकें।

मेजर अमीर सिह चौधरीः स्पीकर साहब, यह सारी स्कीमें उनके पास आई हुई हैं। इसके बारे में एग्जैक्ट आईडिया नहीं चाहता सिर्फ यही पूछना चाहता हूं कि यह दरअसल है क्या ?

Mr. Speaker: If the Hon. Minister has got the information in his file, he may state the position.

Ch. Khurshed Ahmed: No, Sir, it is not available in this file. I shall certainly give this information if the hon. Member comes to me.

Mr. Speaker: The hon. Minister may give it on some other date.

श्री मंगल सैनः अगर मंत्री महोदय उस बोर्ड के स्कोप को और आब्जैक्ट को डिटेल में नहीं बता सकते तो रफली बता

दें। मैं तो जानना चाहता हूं कि इस बोर्ड को प्रस्तावित करने के पीछे आपका उद्देश्य क्या है और उसका क्या मोटिव है, क्या खाका है ? क्या यह सदन में बताने का कष्ट करेंगे ?

श्री अध्यक्षः उसका जवाब इन्होंने दिया है कि फाईनेलाईज कर रहे है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने तो रफली पूछा है।

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, अगर रफली बताऊंगा तो फिर माइन्युटली भी पूछेंगे क्योंकि कहीं न कहीं गड़बड़ रह जाएगी। जनरल आईडिया यह है कि हाउसिंग मिनिस्टर्ज कांफ्रेंस इस साल बंगलौर में कोई 20 जून के लगभग हुई थी। उस मीटिंग में यह तय किया गया था कि स्टेट अपने अपने हाउसिंग बोर्ड बनाए ताकि गवर्नमैंअ आफ इण्डिया उनकी मदद कर सके। जो स्कीमें गवर्नमैंट आफ इंडिया चलाना चाहे उनको सारी स्टेटों` बोर्ड अन्डरटेक कर लें। इसी पालिसी को मद्देनजर रखते हुए हम आने हाउसिंग बोर्ड की स्कीम फाईनलाईज कर लेंगे।

श्री रणधीर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सरकार ने जो सुझाव दिया हे कि बोर्ड बनाए जाएं क्या उसके पीछे यह भावना थी कि राजयों को ज्यादा से ज्यादा माली इमदाद, प्राइवेट कमर्शियल या स्टेट बैंकों से मकान बनाने के लिए मिल सकेगी ?

चौधरी खुरशीद अहमदः जी हां।

Low income Group Housing Scheme

***719. Sh. Randhir Singh:** Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state the total amount of loans if any, given to the Harijans under the low Income Group Housing Scheme during the years, 1969?

Health and Development Minister (Ch. Khurshed Ahmed): Rs. 275400.

श्री रणधीर सिंहः क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि हरिजनों को जो रूपया दिया जाता है, उसमें कम से कम मकान बनाने के लिए कितनी रकम दी जाती है ?

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, जो लो इन्कम ग्रुप हाउसिंग स्कीम होती है, उसमें तमाम इंडिविज्वल्ज के लिए एक स्लैब रखा जाता है। इसमें 7200 रूपये सालाना इन्कम तक के आदमियों को मकान बनाने के लिए कर्जा दिया जाता है।

श्री रणधीर सिंहः मेरा पूछने का मतलब यह था जनाब, कि कितना रूपया फी हरिजन को मकान बनाने के लिए सैंक्शन करते हैं ?

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, इसमे यह है कि ज्यादा से जयादा रूपये की तादाद हमारे पास 12500 रूपये है, इसके मुताबिक और या जो भी मकान बनाता हो, उसको मकान की 80 प्रतिशत कोस्ट हम ऋण के रूप में दे सकते हैं।

श्री रणधीर सिंहः जैसा इन्हेांने बताया कि 275400 रूपया हरिजनों को लोन पर दिया था। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि तहसील वाईज कितना कितना दिया है ?

चौधरी खुरशीद अहमदः सर, तहसील वाईज डाटा, इस वक्त मेरे पास नहीं है।

श्री रणधीर सिंहः जिला वाईज ही बता दें, सर।

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, जिला वाईज इन्फर्मेशन भी मेरे पास इस वक्त नहीं है।

चौधरी नारायण सिंहः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि इन्होंने ज्यादा से ज्यादा 12500 रूपये की राशि लो इन्कम ग्रुप के लिए बताई है, यह किस डेट से किया गया है, पहले तो यह राशि 800 या 1000 तक ही होती थी ?

चौधरी खुरशीद अहमदः जनाब, किस डैट से लागू हुई है, एग्जैक्ट डैट इस वक्त मेरे पास नहीं हैं, बाद में बता दूंगा।

श्री मंगल सैनः जैसा कि मंत्री महोदय ने बताया है कि 1969 में लो इन्कम स्कीम के अन्दर हरिजनों को 275400 रूपये के ऋण दिये गये हैं। तो स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा पूछना चाहता हूं कि कितने लोगों को कितना कितना रूपया दिया गया है ?

वित्त मंत्री (श्रीमती ओम प्रभा जैन): जनाब, यह लिस्ट मंगवाई जा सकती है, इस वक्त मेरे पास लिस्ट नहीं है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इनके पास कोई इन्फर्मेशन नहीं है। इनके पास कुछ भी तैयार नहीं हैं इसलिए इस विषय पर सप्लीमेंटरी सवाल कल तक के लिए पोस्टपोन कर दीजिए।

श्री अध्यक्षः डा0 साहब कितने आदमियों को ऋण दिया गया, यह आपको कल बतला देंगे।

चौधरी चांद रामः क्या मैं मिनिस्टर महोदय से यह जान सकता हूं कि जो लो इन्कम स्कीम के मातहत हरिजनों को रूपया देते हैं, क्या इसके बारे में कोई स्पैसीफिक हिदायतें जारी करते हैं कि इतने परसैंटेज जरूर दो ?

चौधरी खुरशीद अहमदः सर, जो लो इन्कम ग्रुप हाउसिंग स्कीम है उसके तहत इन्डीविजुअल को जो कुछ एन्टाईटलड है, उसके बारे में मैंने पहले ही कह दिया है। इसके इलावा और कोई हिदायत जारी नहीं की।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, यह तो पहले ही कर रहे हैं, यह तो सब का है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी सबमिशन तो यह है कि मैंने हरिजनों के बारे पूछा है।

श्री अध्यक्षः उन्होंने तो शुरू में ही कहा था कि यह स्कीम लो इन्कम ग्रुप वालों के लिए हैं।

चौधरी चांद रामः स्पीकर साहब, मैंने पिछले दिनों अर्ज किया था कि जो आल इण्डिया मिनिस्टर्ज कान्फ्रैंस हुई थी उसमें इन्डीविजुअल बैनीफिट की स्कीम्ज थी, उसमें गवर्नमै।अ आफ इण्डिया मिनिस्ट्री आफ होम की तरफ से यह हिदायत थी कि इनको भी वहीं परसैंटेज दो जो सर्विसिज में आजकल दी जाती है। मैंने इस के बारे में पूछा तो इन्होंने बताया कि इन पर यह चीज लाग नहीं हैं। जो लोन का फार्म है, उसमें हरिजनों का कोई खाना ही नहीं है तो उन्होंने किस तरह से ..... (व्यवधान)

चौधरी खुरशीद अहमदः जो कुछ इनफर्मेशन हमें मिली हरिजनों के बारे में वह मैंने बता दी है।

चौधरी चांद रामः मुझे खुद तजुर्बा है। मैंने लो इन्कम ग्रुप स्कीम से खुद कर्जा लिया था और जो फार्म भरा था उसके लिहाज से अगर देखा जाए तो उसमें हरिजन का कोई कालम ही नहीं है। इसलिए मैं पूछना चाहता हूं कि इसमें इन्होंने किस तरह से मालूम किया ?

श्री अध्यक्षः किसी तरह से भी किया हो, हो तो गया ?

चौधरी चांद रामः इसीलिए तो मैं कहता हूं कि जिस तरह से इन्होंने मालूम कया है वह गलत सोर्स होगा।

Mr. Speaker: Can you satisfy him, Mr. Khurshed Ahmed?

Ch. Khurshed Ahmed: Will the possible resources we have collected this information.

Ch. Chand Ram: But, how?

Ch. Khurshed Ahmed: Through all possible resources.

Mr. Speaker: Probably when the loan is given they ask for all such information.

श्री मंगल सैनः आप इनकी मदद कर देते हैं। इन्हें तो यह जवाब सूझ ही नहीं सकता था।

श्री अध्यक्षः मैं कोई जुर्म तो नहीं करता।

चौधरी चांद रामः क्या वजीर साहब इसके बाद कोई ऐसा कालम रखेंगे कि हरिजनों को इतनी इतनी परसैंटेज के हिसाब से कर्जा जरूर दिया जाए ?

Ch. Khurshed Ahmed: This is a suggestion and shall be considered.

श्री दया कृष्णः क्या वजीर साहब बतलाएंगे कि जो बैकवर्ड डिस्ट्रिक्ट्स हैं उनके लिए कुछ ज्यादा रकम देंगे ?

चौधरी खुरशीद अहमदः डिस्ट्रिक्ट्स की रिक्वायरमेंट मालूम की जाती है ओर वह आ जाने के बाद जो पूल होता है उससे रिक्वायरमैंट के मुताकिब रकम बांट दी जाती है।

श्री दया कृष्णः क्या यह ठीक नहीं होगा कि जहां पर जितनी पापुलेशन हो और जिस जगह जैसी जरूरत हो उसको देखते हुए रकम बांटी जाए न कि डिस्ट्रिकट्स में बराबर बराबर।

चौधरी खुरशीद अहमदः मैंने भी यही कहा था। I hope, his question is the same as my answer was.

चौधरी लाल सिंहः जो आदमी सरकारी शर्तें मंजूर नहीं कर सकते उनके लिए क्या प्रबंध किया गया है ?

चौधरी खुरशीद अहमदः वे लोग खुद अपना काम कर लेंगे।

Enquiry conducted against the Range Officer, Chhachhrauli

***734. Dr. Malik Chand Gambhir:** Will the Minister for Agriculture and Labour be pleased to state:-

(a) whether any enquiry has been conducted by the Vigilance Department against the Range Officer of Chhachhrauli; and

(b) whether any case has been registered against the said Officer, if so, the result thereof?

कृषि व श्रम मंत्री (चौधरी रण सिंह): (ए) नहीं।

(बी) एक केस लकड़ी की चोरी का पुलिस ने अप्रैल, 1967 में रजिस्टर किया था जिसमें श्री अजीत सिंह, वन राकि को न्यायालय ने तलब किया था। उच्च न्यायालय ने इसके विरूद्ध कार्यवाही की स्थगित कर दिया।

Meeting of Representatives of Education Deaprtment and Teachers etc. regarding Security of Service

***732. Sh. Mangal Sein:** Will the Minister for Health and Development be pleased to state:-

(a) whether any joint meeting of the representatives of the Education Departmentm Managing Committees of the private schools and of the teachers of private schools was held in 1967 where in the subject of security of service, etc. was considered, and

(b) if so, the decision if any taken in the said meeting and the steps, if any, being taken by the Government in this behalf?

Health and Development Minister (Ch. Khurshed Ahmed):

(a) Yes.

(b) No decision was taken. However, some suggestions were made for making certain amendments in the service rules. Most of these suggestions have been accepted and Punjab Education Code amended accordingly.

श्री मंगल सैनः सप्लीमेंट्री सर। जनाब मंत्री महोदय ने यह फरमाया है कि जो ए भाग है मेरे प्रश्न का उसमें 'जी' और जो दूसरा भाग है उसके बारे में कहा गया है कि कुछ निर्णय लिए गए हैं और कुछ सुझाव दिए गए हैं। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार ने कोई ऐसा डिसीजन लिया है कि टीचर्ज की सिक्योरिटी आफ अर्विसिज के बारे में सदन में ला कर कोई विधेयक बना लिया जाए ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): स्पीकर साहब, मंगल सैन जी के प्रश्न का उत्तर अगर मैं दे दूं तो इनकी कुछ तसल्ली हो जाएगी। पिछले दिनों प्राईवेट इस्टीच्यूशंज के प्रतिनिधि मुझे मिले थे और मैंने मालूम किया कि उनके कहने में सचाई है। इसलिए मैंने यह निश्चय किया है कि जिस तरह दिल्ली में सिक्योरिटी आफ सर्विसिज है वैसे ही प्राईवेट स्कूल्ज के बारे में हरियाणा में भी कर दिया जाए। This is under Active consideration of the Government.

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, जैसा कि मुख्य मंत्री जी ने कहा मैं उसके लिए उनका धन्यवाद करता हूं मगर क्या मुख्य मंत्री जी सदन को यह आश्वासन देंगे कि वह चालू सत्र में ही विधेयक पास करने के लिए ले आएंगे ?

श्री बंसी लालः जितनी जल्दी होगा, ले आएंगे।

श्री मंगल सैनः अगर वह सत्र के जरिए न ले आएं तो क्या आर्डिनैंस के जरिए कर सकते हैं ?

श्री अध्यक्षः आप अपना केस खराब कर रहे हैं।

श्री मंगल सैनः क्या शिष्अ मंडल ने इस बात के अलावा भी उनके सामने कोई बातें रखी थीं ?

श्री बंसी लालः दो तीन मिनट के लिए ही वे मुझे मिले थे लेकिन उसमें जो मैंने बात की वह यही थी।

श्री मंगल सैनः क्या शिक्षा मंत्री बतलाने की कृपा करेंगे कि उन्हें इस उद्देश्य का कोई ज्ञापन या मैमोरेंडम मिला है कि उन टीचर्ज की तनखाहें मैनेजमंअ के द्वारा बैंक से मिलें ?

चौधरी खुरशीद अहमदः हां।

श्री मंगल सैनः क्या सरकार उसके मुताबिक व्यवस्था कर ही है ?

चौधरी खुरशीद अहमदः चैक के जरिए मनी ड्रा किया जाए यह प्रबन्ध कर लिया गया है।

श्री मंगल सैनः क्या इन लोगों ने ट्रिपल बैनिफिट स्कीम के बारे में रिक्वैस्ट की थी ?

चौधरी खुरशीद अहमदः हां रिक्वैस्ट आई है।

श्री मंगल सैनः आपका निर्णय क्या है ?

Ch. Khurshed Ahmed: That is under consideration, Sir.

Sh. Mangal Sein: Supplementary, Sir.

Mr. Speaker: You have already asked 7/8 supplementaries.

श्री मंगल सैनः जनाब इस बात के हाउस में आ जाने से हाउस की शान बढ़ी है।